दो कौड़ी के पुल को सवांरने की शुरुआत

खास बातें
- 175 साल पुराने पुल को बचाने आये शहर के लोग
- बेतवा का यह पुल कभी विदिशा को रायसेन से जोड़ने का रहा मुख्य मार्ग
- बड़ी संख्या में पहुंचकर लोगों ने किया श्रमदान

नवभारत न्यूज
विदिशा, रंगई स्थित बेतवा नदी पर बने करीब 175 वर्ष पुराने ऐतिहासिक पुल के संरक्षण और पुनरूद्धार की दिशा में शहर के जागरूक नागरिकों ने पहल की है.पुरातत्विक विरासतों के संरक्षण के लिए कार्यरत इंटेक चेप्टर विदिशा, विरासत ग्रुप, बेतवा बिरादरी, बाल विहार कल्याण समिति, विदिशा सेवा संस्थान, पाठक न्यास सहित कई स्वतंत्र समूहों ने शनिवार को श्रमदान कर पुल की सफाई और झाड़ियां हटाने का कार्य किया. इस दौरान विधायक मुकेश टंडन और नगरपालिका में सांसद प्रतिनिधि राकेश शर्मा भी श्रमदान में शामिल हुए.

विरासत अध्यक्ष गोविंद देवलिया ने बताया कि बेतवा का यह पुल कभी विदिशा को रायसेन से जोड़ने का मुख्य मार्ग रहा है. पुल की जर्जर स्थिति और आसपास उगी झाड़ियों को हटाने के लिए नागरिकों ने लंबे समय से पुनरोद्धार की मांग की थी. इसी क्रम में 6 दिसंबर को बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एकत्रित हुए और पुल को धरोहर के रूप में संरक्षित रखने के उद्देश्य से सफाई अभियान चलाया.

जुर्माना भरने के बजाय जागीरदार ने करा दिया पुल का निर्माण

इंटेक चेप्टर के संयोजक अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि यह पुल तत्कालीन जागीरदार द्वारा लगभग 175 वर्ष पहले बनाया गया था. उन पर सिंधिया रियासत द्वारा मात्र दो कौड़ी का जुर्माना लगाया गया था. जुर्माने का कारण यह था कि ग्वालियर महाराज विदिशा पहुंचे थे, उस समय जागीरदार गोरी शंकर श्रीवास्तव उनके मोहनगिरि स्थित शिविर में समय पर नहीं पहुंच पाए थे, जिससे महाराज नाराज हुए और जुर्माना लगाया. जुर्माना भरने के बजाय जागीरदार ने इस पुल का निर्माण करा दिया. दो सदियों तक यह पुल आवागमन का प्रमुख साधन रहा, लेकिन नए पुल के बनने के बाद इसकी अनदेखी होने लगी.

पर्यटन मानचित्र पर लाने प्रयास

इंटेक के सह संयोजक ऋषि जालौरी ने बताया कि पुल को संरक्षित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की मांग की जा रही है.नागरिक चाहते हैं कि पुल पर दोनों ओर रैलिंग लगाई जाए, प्रकाश व्यवस्था सुधारी जाए और बैठने की व्यवस्था बनाई जाए, ताकि यह स्थल शहर के पर्यटन मानचित्र पर पुन:स्थान पा सके.

तहसील का दर्जा मिला, लेकिन ब्लाक का नहीं

छोटे काम के लिए भी 36 किमी दूर कुरवाई पड़ रहा जाना

नवभारत न्यूज
पठारी 6 दिसम्बर,नगर को तहसील का दर्जा मिले लंबा समय हो चुका है, लेकिन विकास गति नहीं पकड़ पा रहा है.क्षेत्रवासी लंबे समय से नगर को विकासखंड का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहे हैं.तहसील बनने के बाद भी कई छोटे-छोटे कामों के लिए लोगों को 36 किमी दूर कुरवाई जाना पड़ रहा है इसके लिए लोगों को समय के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है.इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

पठारी के अंतर्गत लगभग 25 ग्राम पंचायतों के 100 गांवो का संपर्क हैं बता दें कि तहसील स्तर पर सुविधाएं बढ़ाने और विकासखंड का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर लोग समय-समय पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और अधिकारी को आवेदन भी देते रहे हैं. क्षेत्र में पहले ऐसा होता रहा था कि कभी विधायक एक पार्टी का होता था और सांसद अलग पार्टी का.ऐसा ही प्रदेश में दूसरी पार्टी की सरकार और केंद्र में दूसरी पार्टी की होती थी. अब तो तहसील से लेकर दिल्ली तक एक ही पार्टी की सरकार है.वही सांसद और विधायक भी सत्ता रूढ़ दल के ही हैं.फिर नगर को विकासखंड का दर्जा क्यों नहीं मिल पा रहा है क्षेत्र की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है. कस्बा अभी भी अनेक मूलभूत सुविधाओं से वंचित है.विकासखंड नहीं होने के कारण नगर का विकास नहीं हो पा रहा है.इस कारण क्षेत्रवासियों को अनेक प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

तहसील स्तरीय सुविधा नही

13 साल पहले तहसील का दर्जा नगर को तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के बाद मिला था.अभी तक तहसील स्तरीय सुविधा भी कस्बे को नहीं मिल रही है.इस तहसील के अंतर्गत 70 गांव लगते हैं अंचल के गांव की दूरी विकासखंड मुख्यालय से 30 से 40 किमी दूर है.

विकासखंड का दर्जा देने कर चुके मांग

ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए 36 किमी की दूरी तय कर कुरवाई जाना पड़ता है.

गुग्गल के पौधे लगाए, गौशाला होंगी आत्मनिर्भर

नवभारत न्यूज
पठारी,गौशालाओ को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से श्री कृष्ण गोशाला समिति द्वारा गोशाला प्रांगण में औषधीय गुग्गल पौधों का रोपण किया गया. पशु चिकित्सक डॉ. पल्लव साहनी ने बताया कि अत्यधिक कटाव के कारण गुग्गल वृक्ष की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में दर्ज है और इसके संरक्षण की आवश्यकता है.उन्होंने गुग्गल के औषधीय महत्व—गठिया, मोटापा, कोलेस्ट्रॉल तथा अनेक रोगों के उपचार—की जानकारी भी दी और पौधे उपलब्ध कराए.समिति अध्यक्ष राजकुमार यादव, सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, ग्राम पंचायत सचिव मनोज रिछारिया सहित सदस्यों ने पौधारोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया.गुग्गल पौधा पाँच वर्ष बाद राल देना शुरू करता है, और प्रति पेड़ प्रतिवर्ष लगभग 1 किलो राल प्राप्त होती है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 2000 रुपये प्रति किलो है. बंजर एवं पथरीली भूमि में भी यह पौधा आसानी से पनप जाता है.

शासकीय उचित मूल्य दुकान का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज
हैदरगढ़, ग्यारसपुर एसडीएम शशि मिश्रा ने आज भ्रमण के दौरान ग्राम हैदरगढ़ में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकान में खाद्यान्न वितरण की स्थिति, स्टॉक रजिस्टर, उपभोक्ता पंजी, वजन माप उपकरण तथा वितरण प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया एसडीएम ने दुकान संचालक को सामग्री वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा सभी अभिलेख अद्यतन रखने के निर्देश दिए.श्रीमती मिश्रा ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली ग्रामीण गरीबों के लिए महत्वपूर्ण योजना है, अत: किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.प्रशासन द्वारा ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे.

कबड्डी में विदिशा, खो-खो में ज्ञान ज्योति स्कूल चैंपियन

युवा भारत खेल प्रतियोगिता संपन्न

नवभारत न्यूज
शमशाबाद 6 दिसम्बर, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित युवा भारत की विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया.पुरुष कबड्डी फाइनल में विदिशा ने शमशाबाद को 10 अंकों से हराया, जबकि खो-खो बालिका वर्ग में ज्ञान ज्योति स्कूल ने खिताब जीता.

एथलेटिक्स में 100 मीटर बालिका वर्ग में रौनक धाकड़ प्रथम, प्राची गुर्जर द्वितीय और संगीता तृतीय रहीं.शॉट पुट में भूमिका ने पहला तथा प्रिया धाकड़ ने दूसरा स्थान हासिल किया. पुरुष गोला फेंक में राजीव जायसवाल प्रथम रहे.100 मीटर पुरुष दौड़ में करन राजपूत ने बाजी मारी.

प्रतियोगिता में 150 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया

समापन समारोह में तहसीलदार प्रेमलता पाल तथा समाजसेवी डॉ. भैरों सिंह गुर्जर ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व स्मृति चिन्ह प्रदान किए. तहसीलदार प्रेम लतापाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया. प्रतियोगिता में रेफरशिप अरविंद राजपूत ,हनीफ खान ,ज्योति ठाकुर, अर्चना किरार एवं इंद्रर नायक ने भूमिका निभाई.आयोजन में समाजसेवी रुपेश आर्य,कबड्डी कोच मयूर भार्गव, मनीष अहिरवार, लखन राजपूत ,दीपक राजपूत , सुमित शर्मा,भगत राजपूत उपस्थित थे.

55 वर्षीय व्यक्ति की ठंड से मौत

नवभारत न्यूज
सांची, एक निराश्रित व्यक्ति कैलाश तिवारी निवासी बिहाना गाँव बीना के पास लगभग तीस साल पहले सांची आया था तथा सांची मे ही अपना जीवन यापन करता था तथा वह अपने रहने का ठिकाना न होने पर सार्वजनिक स्थलों पर रहकर अपनी रोजीरोटी चलाता था तथा विगत दिनों वह फुटपाथ पर ठंड की ठिठरन के कारण हालत गंभीर होने की सूचना नगर के समाजसेवी सुशील त्रिवेदी को लगी उन्होंने अन्य लोगों को सूचना दी.

तब नगर के पार्षद विवेक तिवारी एवं आकाश पाठक सत्येंद्र सोनी मौके पर पहुंचे तथा उसको उठाकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया.जहां से उसे डाकटरों ने विदिशा रिफर कर दिया तब चारों व्यक्ति उसे गंभीर हालत में लेकर विदिशा अस्पताल पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई तब अस्पताल में डाक्टरों ने शव का पीएम कर शव चारों समाजसेवी को सौंप दिया तब विदिशा मे चारों ने मिलकर व्यवस्था जुटाई तथा विधिविधान से उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया.इसके पूर्व मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी गई थी परन्तु उनके न आने पर रीति रिवाज से संस्कार किया गया था बताया जाता हैं कि अब उसकी खारी उठाने मृतक के परिजनों की संभावना जताई गई हैं परिजनों के न आने पर नगर के उक्त चारों समाजसेवी ने विधिविधान से खारी उठाकर बेतवा नदी में अस्थिविसर्जन करने की योजना बनाई है एवं मृतक की रसोई करने का भी बीडा उठाया है.इस मामले में विवेक तिवारी सहित चारो समाज सेवी बताते है कि यह कार्य पुण्य का होता हैं तथा ऐसे व्यक्ति जिसका कोई नहीं होता उसका संस्कार करने से हमें बहुत शांति का अनुभव होता है तथा हम ऐसे कार्य भविष्य में भी करते रहेंगे.इस पुनीत कार्य की नगर मे खूब चर्चा हो रही हैं तथा लोग चारों के इस कार्य की सराहना कर रहे हैं.

बाबा साहेब की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित, आदर्शों पर चलने का संकल्प

नवभारत न्यूज
सांची,संविधान रचनाकार भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर आज बस स्टैंड परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया.

नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने कहा बाबा साहेब ने देश को एक ऐसा संविधान दिया जिसने हर नागरिक को समान अधिकार प्रदान किए। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में भाईचारा और समानता को और मजबूत बनाना है.मुकेश कुमार बौद्ध ने कहा डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया था.इस दौरान कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

बाबा साहेब के बताए मार्ग पर एकजुट होकर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि

पठारी नगर के अहिरवार समाज संघ ने संविधान निर्माता डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी का परिनिर्माण दिवस खुरई रोड अम्बेडकर भवन में मनाया गया बाबा साहब की प्रतिमा रखकर फूल मालाएं चढ़ाई गई बंदना की गई कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में अहिरवार समाज महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष आरती चौधरी ने कहां की बाबा साहब ने समाज में कमजोर, दलित, शोषित पीड़ित नारी सम्मान में महिलाओं को पुरुष की बराबरी का दर्जा हर क्षेत्र में मिला है. यह बाबा साहब ने दिलाया है.कार्यक्रम में तेजसिंह अहिरवार ने कहा की बाबा साहब ने कानूनी पढ़ाई करके सब को बराबर का अधिकार दिलाया है इस दौरान पुरुषोत्तम अहिरवार, बारेलाल अहिरवार, भागचंद, योगेश गौतम,सीताराम, लोकेंद्र मौर्य, कल्याण सिंह, संदीप सत्यम आदि मौजूद रहे.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर व्याख्यान आज

नवभारत न्यूज
विदिशा, आज रविवार को प्रज्ञा प्रवाह, इकाईङ्कविदिशा द्वारा सीआईएसटी महाविद्यालय, अरिहंत विहार में भारतीय अर्थव्यवस्था विषय पर एवं पुस्तक - कौटिल्यनॉमिक्स फॉर मॉडर्न टाइम्स, लेखक - श्रीराम बालसुब्रह्मण्यम पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.इस कार्यक्रम में सीए रितेश शर्मा उद्बोधन एवं विचार-विमर्श हेतु उपस्थित रहेंगे तथा सीआईआईएसटी महाविद्यालय में अध्ययन मंडल का शुभारंभ भी करेंगे.कार्यक्रम का समय दोपहर 1.30 बजे से 3 बजे तक निर्धारित है.

कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को किया याद

नवभारत न्यूज
विदिशा, जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में विदिशा कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी.कार्यक्रम में कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ नेताओं सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया. उनकी पुण्यतिथि पर हम सब संकल्प लेते हैं कि कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता बाबा साहब के विचारों समरसता, बंधुत्व, समान अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा.बाबा साहेब ने कहा था कि जीवन महान तभी बनता है जब उद्देश्य महान हो इसलिए हमारा उद्देश्य स्पष्ट है समाज में समान अवसर, शिक्षा, न्याय और सम्मान का वातावरण स्थापित करना.

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा की दी जानकारी

नवभारत न्यूज
सिरोंज, सेवा भारती जिला विदिशा द्वारा संचालित संस्कार केन्द्रो की बहिनों का प्रशिक्षण वर्ग एवं बैठक महामाई मंदिर में आयोजित की गई. जिसमें विदिशा, बासौदा, सिरोंज की करीब 40 महिलाएं मौजूद रही. बैठक में आगामी कार्यक्रम की योजना पर विचार विमर्श किया गया. इस अवसर पर महामाई सेवा समिति ने बहिनो एवं समिति सदस्यों का सम्मान किया. बैठक में राजेश भार्गव, संजीव माथुर, सत्यनारायण शर्मा, नीरज पटेल, दीपक, अमित रघुवंशी, गोपाल शर्मा एवं शिक्षिकाएं मौजूद रही.

♦ शव वाहन / फ्रीज़र
♦ ब्लड ग्रुप लिस्ट
♦ मरीज इलाज उपकरण
♦ पुराने लेकिन पहनने योग्य वस्त्र
♦ देहदान नेत्रदान संकल्प के लिए
नि:शुल्क सेवा
शेरपुरा विदिशा में विकास पचौरी फोटो स्टूडियो के बगल में स्थित सुनो रेडियो स्टेशन पर संपर्क करें.
मोबाइल में बजता है
विकास पचौरी फाउण्डेशन द्वारा प्रसारित
सुनो रेडियो
84 35 250 250
प्ले स्टोर/एप स्टोर से डाउनलोड करके आनंद लीजिए

आयोजन वासुदेव भगवान सहित अन्य देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भव्य भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

श्री बाबा रामदेव मंदिर के नवदिवसीय आध्यात्मिक उत्सव का समापन

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, राजेंद्र नगर स्थित भगवान श्री रामदेव मंदिर में संपन्न हुई देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, रामकथा, पंचकुंडात्मक रुद्र महायज्ञ और 2100 कलशों की भव्य कलश यात्रा इन सभी दिव्य आयोजनों की संयुक्त आभा शनिवार को तब पूर्णता को पहुंची. जब भगवान वासुदेव, श्रीराम परिवार, देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने सामाजिक समरसता और एकता के भाव के साथ एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया.

भंडारे की विशालता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ढाई सौ कुंटल आटे से बनी पूड़ियां, 100 कुंटल से अधिक सब्जी और सवा सौ कुंटल की बूंदी तैयार कराई गई थी। भंडारे की सामग्री को तैयार करने के लिए 70 से 80 कर्मचारी 2 दिन से व्यवस्था में लगे हुए थे। भंडारे की भोजन वितरण सेवा दोपहर 12 बजे शुरू हुई जो की देर रात तक चलती रही मंदिर समिति की ओर से बैठ कर प्रसादी परोसी गई. 9 दिन में 11 लाख रुद्र भगवान रामदेव, माता शीतला, भगवान वासुदेव, गुरु गोरखनाथ सहित अन्य देवताओं की आवाहन आहुतियाँ, वासुदेवङ्कसीताराम की प्राण प्रतिष्ठा व विशाल भंडारे के साथ महोत्सव का विलक्षण समापन सनातन परंपरा, सेवा भाव और श्रद्धा की मिसाल थी।रामदेव मंदिर के संस्थापक पंडित हरि नारायण पाठक ने प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में दिए गए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए क्षेत्र वासियों सनातन प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं प्रशासन पुलिस प्रशासन, का आभार माना है. उल्लेखनीय है कि जिस नगर में धर्म जागता है, वह केवल आयोजन भर नहीं रह जाता, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सामाजिक समभाव का संदेश देकर जाता है। ऐसा ही दृश्य नगर ने पिछले 9 दिनों में देखा, जब श्रीधाम बासौदा दरबार के बाबा रामदेव मंदिर में संपन्न हुए प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, पंचकुंडात्मक रूद्र महायज्ञ, श्रीराम कथा और 2100 कलशों की शोभायात्रा ने इस धरा को वासुदेवमय कर दिया। 25 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित श्री प्रेमभूषण जी महाराज की श्रीराम कथा ने हजारों श्रोताओं के हृदयों में भक्ति की नई रोशनी भरी.इसके साथ चले पंचकुंडात्मक रुद्र महायज्ञ की प्रत्येक आहुति नगर के वातावरण को पवित्र, शांत और ऊर्जावान बनाती रही। वहीं रामदेव बाबा मंदिर परिसर में 5 दिसंबर को दिव्य मंत्रोच्चार, वैदिक विधानों और संतों की साक्षी में भगवान वासुदेव, श्रीराम परिवार, शिवङ्कपार्वती, गणेश, हनुमान एवं अन्य देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई.रामदेव बाबा मंदिर परिसर से लेकर पास की गलियों तक हजारों की संख्या में श्रद्धालु पंक्तिबद्ध बैठे और प्रसाद की सुव्यवस्थित सेवा होती रही.हर वर्ग, हर आयु, हर समाज के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया. जिसने आयोजन के समापन पर अपनी आस्था, भक्ति, श्रध्दा के साथ-साथ एकता और सनातन धर्म के समभाव का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया.

रुक्मिणी के बगैर श्री कृष्ण अधूरे-प्रियंका किशोरी

नवभारत न्यूज
पठारी, नगर के फॉर्म चौराहा शिव मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन कथावाचक श्री वृंदावन धाम से पधारी प्रियंका किशोरी ने कहा कि रुक्मिणी का दूसरा नाम कृष्णातिमका है.अर्थात जो श्री कृष्ण के हृदय में बास करती है देवी रुक्मिणी महालक्ष्मी होने के साथ-साथ प्रेम भक्ति साहस और दया की भी देवी हैं उनका नाम मानिनी मणि भी है अर्थात सभी महिलाओं में से वह बहुमूल्य मणि है.यह प्रेम का सर्वोच्च भंडार यह बात भागवत कथा में कथावाचक प्रियंका किशोरी ने कहीं.उन्होंने बताया कि वह महालक्ष्मी का अवतार है और श्री कृष्णा नारायण का नारायण लक्ष्मी के बिना अधूरे हैं.जहां लक्ष्मी का बास नहीं वहां नारायण का भी बास नही इसीलिए हम नारायण को श्रीनारायण कहते है श्री अर्थात लक्ष्मी अगर माता सीता राम के नाम का श्री है ठीक उसी प्रकार माता

रुक्मिणी भी कृष्ण के नाम का श्री है.रुक्मिणी के कारण से हम कृष्णा को श्रीकृष्णा पुकारते है प्रियंका किशोरी जी ने कहा कि श्री सुखदेव जी कहते है की राजा कंश को घर के दरवाजों पर पर्दों पर यहां तक कि दाशियो की आंखों में लगे काजल पर भी श्रीकृष्ण के दर्शन हो रहे थे. उन्होंने कहा कि कहते है कि सच तो यही है जब प्रभु की कृपा भक्त पर होती है तो जहां जहां भक्त की नजर जाती है. रथ को लेकर वृंदावन के लिए प्रस्थान किया वहां पर अक्रूर जी के आग्रह तथा नंद बाबा और मां यशोदा के रोकने के बाद भी श्री कृष्णा और बलराम मथुरा जाने के लिए तैयार हुए और वहां पहुंचकर उन्होंने मामा कंस का उद्धार किया कथा के अगले प्रसंग में श्री किशोरी जी कहते हैं कि विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मणी भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन नारद जी के मुख से सुनकर इतनी प्रभावित हुई की मन ही मन श्री कृष्ण को अपना पति स्वीकार कर लिया यह प्रस्ताव ब्राह्मणों द्वारा द्वारकाधीश के पास भेजा गया जिसे उन्होंने साहस स्वीकार किया और वहां पहुंचकर ब्राह्मणों को साक्षी बनाकर रुक्मणी के साथ विवाह किया.इस विवाह की बारात छोटी माता मंदिर से ढोल लगा डो के साथ निकाली गई.इस दौरान पंडित दीपक शास्त्री, पंडित रमेश रिछारिया ,कमलेश सिंह यादव,मुख्य यजमान प्रेम सिंह बागड़ी ,धनसीग बागड़ी, लाखन प्रजापति, सुखनंदन महाराज अनिकेत विश्वकर्मा दीपचंद पवार, श्री कांत पवार आदि भक्त मौजूद रहे.